IWMP-IV Sanchi Project

Project Title : **Mili Water Shed IWMP-IV**

Project sanction Year : **5577/RGMIWMP/2010-2011 dated 21.10.2011**

Project Area : **3274 ha sanction area**

Completed Year : **March 2018**

Integrated Watershed Management Programme (IWMP) is implemented by Department of Land Resources of Ministry of Rural Development. The main objective of IWMP is to restore ecological balance by harnessing, conserving and developing degraded natural resources such as soil, vegetative cover and water.

The main aims of this programme are as follows:-

- To restore the ecological balance by harnessing, conserving and developing degraded natural resources such as soil, vegetative cover and water.
- The outcomes are prevention of soil run-off, soil loss.
- Regeneration of natural vegetation.
- Rain water harvesting and recharging of the ground Water table.
- Enabling multi-cropping and the introduction of diverse agro-based activities, which help to provide
- Sustainable livelihoods to the people residing in the watershed area.

The main objectives of this programme are as follows:

- To dissipate soil and water erosion and surface run-off.
- To harvest/recycle surface runoff and rainwater.
- To enhance soil moisture regime/water holding capacity.
- To promote sub-surface flow, base flow and ground water recharge.
- To improve soil health and tilth.
- To improve production and productivity
- To promote generation and gainful employment opportunities.

Programme Photographs

News Coverage

इंद्रप्रस्थ पृथ्विजय प्रकाशन

राष्ट्रीय हिन्दी मेल

न दबाव, न भेदभाव

भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और रायपुर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष-20 | भोपाल, शनिवार, 24 सितंबर 2016 | rashtriyahindimail.in | पृष्ठ-12 मूल्य ₹ 2.00

वाटरशेड के तहत ग्राम गोपासुर सतकुडा म हुआ काय

खेती के लिए मिलेगा पानी, बढ़ेगा उत्पादन

रायसेन 23 सितम्बर। सांची विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम गोपीसुर सतकुंडा, में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना वाटरशेड विकास चतुर्थ सॉची द्वारा स्टापडेम के शटर,गेट सौंपने का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर के परियोजना क्रियान्वयन संस्था कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन के अध्यक्ष अजीत खंडेलवाल ने कहा कि जलग्रहण समिति द्वारा किए गए कार्य से किसानों को खेती के लिए पानी की समस्या से निजात मिलेगी और सिंचाई से फसल उत्पादन को बढ़ाने में सफलता हासिल होगी। कृषि वैज्ञानिक डॉ. सर्वेश त्रिपाठी द्वारा उपयोगकर्ता समूहों से चर्चा करते हुए यह बताया कि किसान अब मनपंसद प्रजातियों को

लगाकर अपने आय को बढ़ा सकेंगे। कई किसान 3-4 पानी के गेहूं को नहीं लगाते थे क्योंकि उनके पास पानी नहीं था लेकिन अब पानी के मुहैया हो जाने से उनका फसल उत्पादन बढ़ेगा। इस अवसर पर ग्रामीणों में लक्ष्मी नारायण,लाखन सिंह, गोपीलाल, देवीराम सहित आदि मौजूद थे।